सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-362
27/08/2016

दुनिया को भारत से शिक्षा की रौशनी मिलेगी– मुख्यमंत्री

पटना, 27 अगस्त 2016 :– नालन्दा विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी, राज्यपाल श्री रामनाथ कोविन्द, मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार हुये शामिल। दिक्षांत समारोह में राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने नालन्दा विश्वविद्यालय के नये भवन की आधारशीला रखी। राष्ट्रपति ने प्रथम दीक्षांत समारोह में देशी–विदेशी छात्र–छात्राओं को डिग्री एवं गोल्ड मेडल दिया।

नालन्दा विश्व विद्यालय के प्रथम दिक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने कहा कि नालन्दा विश्व विद्यालय फिर से दुनिया को ज्ञान की नई रौशनी देगा एवं प्राचीन नालन्दा विश्व विद्यालय की गरिमा को पुर्नस्थापित करेंगा। यहॉ अध्ययन करने वाले विद्यार्थी उसी प्रकार बौद्धिक दार्शणिक, अध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक ज्ञान में नवीन शिखर को प्राप्त करेंगे, जैसे प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय में होता था। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला, वल्लभी, सोनपुरा, ओदंतपुरी जैसे विद्या के केन्द्र ने दुनिया भर के विद्वानों को अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि ह्वेनसांग, इत्सिंग जैसे कई विदेशी यात्रियों ने नालन्दा विश्वविद्यालय में ज्ञान की रौशनी पायी। इन्हीं लोगों के माध्यम से भारत की ज्ञान संपदा विदेशों में फैली। आज भी इस नालन्दा विश्वविद्यालय के 125 छात्रों में 25 विदेशी हैं। उन्होंने कहा कि नालन्दा विश्वविद्यालय पूरे एशिया के पुर्नउत्थान का प्रतीक हैं। नालन्दा ज्ञान, शांति, प्रेरणा एवं रचनात्मकता का प्रतीक है। शिक्षकों और छात्रों को इन मूल्यों को समाहित कर इन को जीवन में व्यावहार में लाना चाहिये। उन्होंने सभी छात्रों, शिक्षकों तथा नालन्दा विश्वविद्यालय से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना एवं प्रशंसा की।

प्रथम दिक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये राज्यपाल श्री रामनाथ कोविन्द ने कहा कि नालन्दा विश्वविद्यालय ज्ञान का केन्द्र रहा है। उसके पुरानी प्रतिष्ठा को पाना एक चैलेंज है, पर नालन्दा विश्वविद्यालय उस अपेक्षा को पूरा करेगा। उन्होंने इस विश्वविद्यालय के विकास में राज्य सरकार के योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि दिक्षांत समारोह का यह क्षण सिर्फ विश्वविद्यालय के लिये नहीं बल्कि सम्पूर्ण बिहार के लिये गौरव का क्षण है।

समारोह को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है। आज नालन्दा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने की कोशिश की गई है उसका मूर्त रूप प्रकट हो रहा है। आज पहला दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आदरणीय राष्ट्रपति जी का अपनी ओर से, बिहार सरकार की ओर से एवं बिहार के लोगों की ओर से हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने आज नालन्दा विश्वविद्यालय के नये भवन की आधारशीला रखी है। आज सभी लोगों के लिए खास दिन है। मुझे प्रसन्नता हो रही है कि जिस बात की शुरूआत 2006 में की गई थी आज 10 वर्षो के पश्चात नालन्दा विश्वविद्यालय का पहला दिक्षांत समारोह का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मार्च 2006 में जब तत्कालिन राष्ट्रपति डॉ0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम बिहार आये थे तो उन्होंने विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुये कहा था कि नालन्दा विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करना चाहिये। राज्य सरकार ने पहल की। केन्द्र सरकार

से अनुरोध किया। बिहार ने सबसे पहले इसके लिए कानून बनाया। नालन्दा विश्वविद्यालय को फिर से पुनर्जीवित करने के लिए कानून बनाया गया। राज्य सरकार ने नालन्दा विश्वविद्यालय के लिए बिल तैयार किया। बिहार विधानमंडल ने इसे एक्ट बनाया। नालन्दा विश्वविद्यालय के लिए स्थान का चयन किया गया तथा उसके लिए भूमि का अधिग्रहण किया गया। उन्होंने कहा कि हमने प्रो0 अमर्त्य सेन से अनुरोध किया कि उन्हें सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रो0 अमर्त्य सेन, डॉ0 मेघनाद देसाई के साथ–साथ सभी लोगों का सहयोग मिला। लोकसभा ने बिल को पारित किया। राज्य सराकर ने नालन्दा विश्वविद्यालय के लिए भूमि केन्द्र सरकार को सौंप दी। प्रो0 अमर्त्य सेन इसके पहले चांसलर बने। सब ने इसमें रूची ली और आज नालन्दा विश्वविद्यालय कार्यरत है। हम तो चाहते है कि नालन्दा यूनिवर्सिटी जल्द से जल्द अपने कैम्पस में शिफ्ट करे। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय अपने कैम्पस में जितनी जल्दी चलने लगे उतना अच्छा होगा। विश्वविद्यालय में अध्ययन, अध्यापन बेहतर चले, इसके लिये अपना भवन होना आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी से अनुरोध किया कि वे इसकी अपने स्तर से समीक्षा करें तथा विश्वविद्यालय के नये भवन के निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई के लिये संबंधितों को दिशा निर्देश दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे चाहते है कि नालन्दा विश्वविद्यालय पूरी तरह से अत्म निर्भर बने। इसके लिये राज्य सरकार विश्वविद्यालय को कैम्पस के अतिरिक्त अलग से 70 एकड़ जमीन देगी। इस जमीन से आने वाली सभी आमदनी विश्वविद्यालय की होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय को यूनिस्को के वर्ल्ड हेरिटेज साईट में सम्मिलित किया गया है। यह हम सबों के लिये गौरव की बात है। शुरू में प्राचीन नालन्दा विश्वविद्यालय को वर्ल्ड हेरिटेज साईट में शामिल करने में कठिनाई आ रही थी। सबों के प्रयास से यह संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि यह बिहार का दूसरा ऐतिहासिक स्थल है जिसे यूनिस्कों वर्ल्ड हेरिटेज साईट में सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा गया का महाबोधि मंदिर यूनिस्को के वर्ल्ड हेरिटेज साईट में सम्मिलित है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुयी है कि इस विश्वविद्यालय का कैम्पस पूरी तरह इको फ्रेंडली होगा। यहॉ की ईट भी ईको फ्रेंडली होगी एवं बिना पकाया हुआ होगी। उन्होंने कहा कि नालन्दा विश्वविद्यालय की तरह ही विक्रमशीला विश्वविद्यालय को भी पुनर्जीवित करना चाहिये। साथ ही तेलहाड़ा में भी प्राचीन समय में बहुत बड़ा विश्वविद्यालय था, उसे भी पुनर्जीवित करना चाहिये। अगर इन स्थलों को भी विकसित किया जाय तो इस से भारत का प्राचीन एवं गौरवपूर्ण ऐतिहास सामने आयेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दुस्तान के सभी पुराने विश्वविद्यालय को पुनर्जीवित करने की पहल होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि दुनिया को भारत से शिक्षा की रौशनी मिलेगी।

प्रथम दिक्षांत समारोह को प्रोफेसर अमर्त्य सेन, नालन्दा विश्वविद्यालय के चांसलर जॉर्ज यो, कुलपति डॉ0 गोपा सब्बरवाल ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी यादव, ग्रामीण विकास मंत्री श्री श्रवण कुमार, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री शैलेश कुमार, अनुसूचित जाति/जन जाति कल्याण मंत्री श्री संतोष कुमार निराला, समाज कल्याण मंत्री श्रीमती मंजू वर्मा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा, बिहार विधान परिषद् में प्रतिपक्ष के नेता श्री सुशील मोदी, सांसद श्री कौशलेन्द्र, बिहार विधानसभा के सदस्यगण, बिहार विधान परिषद् के सदस्यगण, भारत में जपान के राजदूत, भारत के विदेश सचिव, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह, डी0जी0पी0 श्री पी0के0 ठाकुर सहित विभिन्न देशों के अतिथगण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******